एक नजर में

कराते के 6 खिलाड़ियों ने जीते मेडल

उज्जैन। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित ऑल इंडिया शौर्य कप कराते प्रतियोगिता में उज्जैन जिला आत्मरक्षा कराते संघ के 6 खिलाड़ियों ने मप्र टीम की तरफ से खेलते हुये मेडल प्राप्त किए। मेतांशी यादव ने 14 से 15 वर्ष की उम्र समुह में काता (एक्शन -मुवमेन्ट) और कुमीते (फाइट) दोनों में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। रिदा अली ने 16 से 17 उम्र समुह में सिल्वर और ब्रांज मेडल प्राप्त किया। यशस्वी यादव ने 12 से 13 उम्र समुह में काता, कुमीते दोनों में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। दिव्या पंथी ने 18 उम्र समुह में बॉन्ज मेडल प्राप्त किया। पुरुष वर्ग समुह में कुणाल सेन ने 14 से 15 उम्र में गोल्ड और ब्रांज मेडल प्राप्त किया। रुद्रांस निखार ने अपने उम्र समुह में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया। शानदार प्रदर्शन करने पर खिलाड़ीयो के साथ उनके अनुभवी कोच कमल सोनी का भी सम्मान किया गया। इस शानदार प्रदर्शन पर संस्था के अध्यक्ष संतोष कुशवाह, भारती महेश तिवारी एवं सुनील सोनी, जयकिशन सोनी दीपककुशवाह, सुधीर तिवारी, नंदनी सोनी, स्मृति सोनी, ओम तिवारी और साथी खिलाड़ियों ने बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

बच्चों को अधिकारों की जानकारी दी

उज्जैन। कालिदास कन्या महाविद्यालय में 14 नवंबर से 20 नवंबर तक बच्चों को खेल एवं सृजनात्मकता के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बाल सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसके तहत् बाल सुरक्षा एवं संरक्षण, बालकों का स्वास्थ्य एवं पोषण, बाल शिक्षा एवं अधिगम, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय रूप से अनुकूल माहौल को सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। समापन के अवसर पर बाल अधिकार एवं बाल संरक्षण हेतु कानून विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। सरस्वती पूजन एवं अतिथि स्वागत के पश्चात कार्यक्रम की मुख्य वक्ता महिला एवं बाल विकास अधिकारी प्रियंका त्रिपाठी ने छात्राओं को बच्चों के अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। नीलेश दुबे ने बच्चों के संरक्षण के लिए अधिनियमों की जानकारी दी। अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने कहा कि बच्चों की आवाज सुनी जाए उन्हें भावनात्मक संरक्षण दिया जाए। संचालन डॉ. भावना नागर ने किया एवं आभार की अभिव्यक्ति डॉ. पूजा साहू ने की।

तैराकी में उज्जैन ने जीते 58 पदक

उज्जैन। 69वीं राज्य स्तरीय स्कूल गेम्स चैम्पियनशिप 2025 (तैराकी) में उज्जैन संभाग ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 58 पदक जीते, जिनमें से उज्जैन शहर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 20 पदक अपने नाम किए। शिवोहम तिवारी ने 4 कांस्य, जुनैना हुसैन ने 1 स्वर्ण, 4 रजत, जैस्मिन हुसैन 4 रजत, आद्या राय 2 स्वर्ण, 2 रजत, अमरीन बंदूकवाला 1 रजत, समर्थ 1 कांस्य, अमृता जादोन 1 कांस्य पदक प्राप्त किया। इनमें से जुनैना हुसैन, जैस्मिन हुसैन, आद्या राय एवं अमरीन बंदूकवाला का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जो 8 से 13 दिसंबर 2025 तक दिल्ली में आयोजित की जाएगी। इस उत्कृष्ट उपलब्धि के पीछे प्रशिक्षकों देविदास रामचंदानी, अमित यादव, अर्जुन सिंह, सोमेश शर्मा एवं सपना माली का समर्पण, समय, विश्वास और कठिन परिश्रम सराहनीय है। प्रतियोगिता के दौरान ओमप्रकाश तिवारी एवं नैनाज हुसैन ने बच्चों के वार्मअप, प्रशिक्षण एवं देखभाल की पूरी जिम्मेदारी निभाई, जो सराहनीय रही।

उज्जैन के पांच खिलाड़ियों का चयन

उज्जैन। खेल और युवा कल्याण विभाग मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित बैडमिंटन प्रतिभा चयन कार्यक्रम में उज्जैन से 5 खिलाड़ियों का अंतिम चयन पुलैला गोपीचंद एकेडमी हेतु हुआ है। इस चयन हेतु पूरे मध्यप्रदेश से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई थी। जिनमें सैकड़ों खिलाड़ियों ने प्रतिभागिता की थी और उनमें से सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुछ ही खिलाड़ियों को एकेडमी में प्रवेश की पात्रता मिल पाई। पूरे मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा खिलाड़ी उज्जैन से चयनित हुए हैं जो शैलेंद्र मिश्रा और कोच योगेश बंदेवार से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उज्जैन से अद्विका सिंह, अर्पण काव्य, कैवल्य भार्गव, रिधान गुंजल तथा समकित बाजपेई का फाइनल सिलेक्शन एकेडमी के लिए हुआ है। जिसका संपूर्ण खर्चा राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि के लिए विधायक अनिल जैन कालूहेडा, उज्जैन बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव यादव, ओपी हरोड़, दिनेश जाटवा, जितेंद्र मुकाती एवं सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया तथा खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

संस्कृत भाषण स्पर्धा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

उज्जैन। महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में पद्मश्री वी. वेंकटाचलम् स्मृति उपक्रम के अंतर्गत आयोजित संस्कृत भाषण स्पर्धा में शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्राचार्य डॉ. सीमा शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय के छात्र करण शर्मा और छात्रा वैष्णवी नागर ने प्रतियोगिता में क्रमश: प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को कुलपति प्रो. शिवशंकर मिश्र ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी, प्रो. वेंकटाचलम् की पुत्री डॉ. शुभा मुंगी भी विशेष रूप से उपस्थित थी। कार्यक्रम में विवि के आचार्य, शोधार्थी, छात्र-छात्राओं के साथ नगर के सुधीजन उपस्थित थे।

लापरवाही की हद पार करने पर टाटा को किया बाय-बाय, तीन साल के लिए ब्लेक लिस्टेड

2017 से शुरू हुआ काम 2025 में भी नहीं हो पाया खत्म, नागरिकों ने ली राहत की सांस, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने लिया बड़ा निर्णय

उज्जैन। नगर निगम ने शहर के सीवरेज प्रोजेक्ट में चार साल से अधिक की देरी करने, जनता को भारी परेशानी में डालने और सिंहस्थ 2028 के महत्वपूर्ण कार्यों में बाधा पहुंचाने के लिए मेसर्स टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड मुंबई के खिलाफ अब तक की सबसे कठोर कार्रवाई करते हुए टाटा कंपनी को 3 साल के लिए ब्लैक लिस्ट कर दिया।

निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने गुरुवार को आदेश जारी करते हुए कंपनी को तत्काल प्रभाव से आगामी तीन वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया है। यह कार्रवाई तब की गई जब कंपनी अंतिम चेतावनी के बाद भी अपने दैनिक लक्ष्यों को पूरा करने में पूरी तरह विफल रही।

दुर्भाग्य से टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड द्वारा यह दैनिक टारगेट भी पूरा नहीं किया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने गुरुवार को जारी आदेश में स्पष्ट किया कि टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड ने लगातार काम में देरी की है और वह काम में जरूरी प्रगति हासिल करने में पूरी तरह नाकाम रही है। अत: मेसर्स टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड को तत्काल प्रभाव से नगर निगम के सभी विभागों से 03 सालों के लिए ब्लैकलिस्ट किए जाने का आदेश

जारी किया गया।

यह कठोर निर्णय उन सभी ठेकेदारों के लिए एक स्पष्ट संदेश है जो सार्वजनिक हित के कार्यों में लापरवाही बरतते हैं और निर्धारित समय-सीमा का पालन नहीं करते हैं। दरअसल उज्जैन में सिंहस्थ के चारों तरफ काम चल रहे हैं मकान की तुड़ाई चल रही है चौड़ीकरण चल रहे हैं। सौन्दर्यीकरण के कार्य चल रहे हैं ऐसे में टाटा कंपनी को ब्लैकलिस्टेड करने का निर्णय सही समय पर लिया गया है। जब से टाटा कंपनी उज्जैन में सीवरेज प्रोजेक्ट का काम कर रही है ,तब से लेकर अब तक कई बार पूर्व के निगम आयुक्तों ने टाटा कंपनी पर भारी भरकम पेनल्टी लगाई है। बावजूद इसके कंपनी ने तो समय पर काम पूरा किया और नहीं अभी तक हाउसहोल्ड कलेक्शन कर पाई है। सबसे बड़ा फैलियर कंपनी का यह भी रहा कि काम लेने के बाद पेटी कांट्रेक्टरों के भरोसे शहर का सीवरेज प्रोजेक्ट छोड़ दिया गया। पेटी कांट्रेक्टरों ने भी नौसिखिए ठेकेदारों को काम सौंप दिया कुल मिलाकर सब अपना अपना कमीशन लेकर चले गए। टाटा सीवरेज प्रोजेक्ट के भविष्य पर कई लोग सवाल खड़े कर रहे हैं, जनप्रतिनिधियों ने कई बार टाटा की कार्य प्रणाली को कटघरे में खड़ा किया है। वहीं लोगों का मानना है कि यदि सीवरेज प्रोजेक्ट सक्सेस नहीं हुआ किन्हीं कारणों से पाइपलाइन चौक हुई और लीकेज हुआ तो पूरा शहर बदबू मारने लगेगा, साथ ही घर-घर जो कनेक्शन होंगे उसका बिल भी 200 250-300 तक आएगा जो एक नया बोझ अतिरिक्त तौर पर जनता की जेब पर पड़ेगा।

2017 में शुरू, 2019 में खत्म नहीं

उज्जैन शहर की सीवरेज व्यवस्था को आधुनिक और बेहतर बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा वर्ष 2017 में टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड को यह बड़ा कार्य सौंपा गया था। कार्य आदेश के अनुसार कंपनी को यह महत्वपूर्ण परियोजना नवंबर 2019 तक पूर्ण करके निगम को सौंप देनी थी। हालांकि कंपनी ने शुरू से ही कार्य में अपेक्षित गति नहीं दिखाई। नवंबर 2019 की समय-सीमा कब की बीत चुकी है और परियोजना वर्तमान में अपने निर्धारित समय से चार साल से भी अधिक पीछे चल रही है। टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड की अत्यंत धीमी कार्यप्रणाली का सबसे बड़ा खामियाजा उज्जैन की जनता भुगत रही है। पिछले चार सालों से भी अधिक समय से शहर की प्रमुख सड़कों और गलियों में जगह-जगह खुदाई चल रही है।

यातायात व्यवस्था ध्वस्त-विकास कार्य बाधित

अपूर्ण और धीमी गति के इन कार्यों ने शहर की यातायात व्यवस्था को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। सड़कों पर लगातार खुदाई, गड्ढे और धूल के कारण आवागमन में भारी बाधा उत्पन्न हो रही है। यह समस्या, जो कार्य शुरू होने के समय से ही बनी हुई है, शहरवासियों के लिए अकल्पनीय परेशानी का सबब बन चुकी है और यह खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। कंपनी की लापरवाही का असर सिंहस्थ विकास कार्यों पर भी पड़ने लगा है। सड़क चौड़ीकरण और अन्य स्पेशल असिस्टेंट के निर्माण कार्यों में टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड की धीमी परफॉर्मेंस के कारण गंभीर बाधा उत्पन्न हुई है। निगम के अनुसार कई स्थानों पर आवश्यक सीवरेज कार्य पूरा न होने की वजह से अन्य महत्वपूर्ण निर्माण कार्य भी रुके हुए हैं।

निगम की अंतिम चेतावनी भी हुई दरकिनार

कार्य की गुणवत्ता और गति को लेकर नगर निगम और पीडीएमसी की तरफ से टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड को लगातार रिमाइंडर और नोटिस जारी किए गए। जब स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ, तब दिनांक 25 अक्टूबर 2025 को संभाग आयुक्त आशीष सिंह, जिला कलेक्टर रोशन सिंह और निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा द्वारा संयुक्त रूप से कार्यों का निरीक्षण किया गया। इसके बाद, टाटा को अंतिम शोकाज नोटिस जारी करते हुए सख्त निर्देश दिए गए थे कि वह 10 नवंबर 2025 तक प्रत्येक दिन 305 से अधिक हाउस सर्विस कनेक्शन और 500 मीटर पाइप बिछाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए आवश्यक मैनपॉवर और मशीनरी लगाए। विदित हो कि अधूरे कार्यों से काफी परेशानी स्कूली बच्चों तक को हो रही है।

सीढ़ियों से गिरी वृद्ध की मौत, बहनों ने भाई पर लगाया आरोप

हत्या या हादसा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच से होगा खुलासा

उज्जैन। सीढ़ियों से गिरकर घायल हुई वृद्धा की निजी अस्पताल में मौत हो गई। बेटियों के आने पर उन्होंने भाई पर छत से धक्का देने का आरोप लगाया। विवाद के बाद पुलिस शव लेकर पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल पहुंची। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही खुलासा हो पाएगा कि मामला हत्या का है या हादसा हुआ था।

घट्टिया तहसील के ग्राम ढाबला गौरी से मंगलवार-बुधवार रात कलाबाई पति स्व. रघुनाथ योगी 65 साल को उपचार के लिये निजी अस्पताल लाया गया था। पुत्र संदीप ने सीढ़ी से गिरकर घायल होने की बात बताई। डॉक्टरों ने उपचार के लिये भर्ती किया। निजी अस्पताल से नीलगंगा थाना पुलिस को सूचना दी गई। रात में ही पुलिस बयान दर्ज करने पहुंची, लेकिन हालत गंभीर और वेंटिलेटर पर होने के चलते कलाबाई के बयान दर्ज नहीं हो पाये। इस बीच तड़के 4.30 बजे के लगभग कलाबाई की मौत हो गई। घायल होने की खबर मिलने पर कलाबाई की 4 बेटियां पवनबाई, मोहनबाई, मधुबाई और बालाबाई भी अस्पताल पहुंच गई थी। चारों की शादी हो चुकी है। मधुबाई ने मां की मौत पर भाई संदीप पर धक्का देकर मारने का आरोप लगा दिया। जिसके चलते भाई-बहनों में विवाद की स्थिति बन गई। संदीप बिना पोस्टमार्टम के शव अंतिम संस्कार के लिये लेकर जाने की बात कहने लगा। वहीं मधु और उसकी बहने पोस्टमार्टम कराने की बात कहने लगी। परिवार के लोग भी एकत्रित हो गये। मामला उलझता गया और 13 घंटे तक कलाबाई की बॉडी निजी अस्पताल में रखी रही।

अस्पताल की ओर से दोपहर में नीलगंगा थाना पुलिस को मौत की सूचना दी गई। पुलिस अस्पताल पहुंची। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया इस दौरान सामने आया कि मृतिका कलाबाई के दोनों पैरों में फैक्चर था। नीलगंगा पुलिस के अनुसार फिलहाल मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया है। जांच घट्टिया थाना पुलिस को सौंपी जाएगी। उसके बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि मौत की वजह हत्या है या फिर हादसा।

विवाद के बाद पत्नी मायके गई तो पति ने लगा ली फांसी

उज्जैन। पारिवारिक विवाद के चलते पत्नी मायके चली गई, जिसके नहीं लौटने पर पति ने फांसी लगा ली। परिजन फंदे से उतारकर अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन युवक की मौत हो चुकी थी। घट्टिया तहसील के ग्राम गुनाई जागीर से कैलाश पिता नागूलाल बंजारा 30 वर्ष को चरक अस्पताल लाया गया था। डॉक्टर ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। घट्टिया थाना प्रभारी करण खोवाल ने बताया कि कैलाश ने फांसी लगाई थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। इस दौरान परिजनों ने बताया कि कैलाश की शादी हो चुकी थी। लेकिन पारिवारिक विवाद के चलते पत्नी मायके चली गई थी। पत्नी के नहीं लौटने पर कैलाश शराब पीने का आदी हो चुका था और तनाव में रहने लगा था। संभवत : पत्नी वियोग में उसने फांसी लगाकर अपनी जान दी है। थाना प्रभारी के अनुसार घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों के बयान दर्ज कर मामले में मर्ग कायम किया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौप जांच शुरू की गई है।

टीवी के अभिनेता नीतीश भलूनी महाकाल की भस्मारती में शामिल

उज्जैन। टीवी के जाने माने अभिनेता नीतीश भलूनी ने गुरुवार को महाकाल दर्शन किए। वह सुबह 4 बजे की भस्म आरती में भी शामिल हुए। उन्होंने दर्शन कर इसे बहुत अद्भुत बताया। आपको बता दे कि नीतीश तारक मेहता का उल्टा चश्मा में टप्पू का किरदार निभाते हैं। उन्होंने मंदिर के नंदी हॉल में बैठकर पूरी आरती देखी इसके बाद बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मंदिर समिति की ओर से सहायक प्रशासक प्रतीक द्विवेदी ने नीतीश का भगवान महाकाल का दुपट्टा ओढ़ाकर और प्रसाद भेंट कर सम्मान किया।

खिलाड़ी संजीव टंडन ने किए महाकाल दर्शन

बेसबॉल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी संजीव टंडन ने उज्जैन प्रवास के दौरान महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। टंडन ने मंदिर समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्था की प्रशंसा की व कहा कि भगवान के दर्शन का सपना पूर्ण हुआ। टंडन भारतीय बेसबॉल टीम के सदस्य तो है ही साथ ही एशियन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त है। इस अवसर पर उनका मंदिर के सहायक प्रशासनिक अधिकारी आरके तिवारी ने दुपट्टा ओढ़ाकर प्रसाद भेंट कर सम्मान किया।

सर्द रात में खूब रंग जमाया लोकभाषा के कवियों ने

उज्जैन। निगम उज्जैन द्वारा आयोजित कार्तिक मेले में बुधवार की रात लोकभाषा के कवियों के नाम रही। सर्द रात में लोकभाषा के कवियों ने खूब रंग जमाया। अखिल भारतीय लोक भाषाकवि सम्मेलन समिति के संयोजक सुरेंद्र मेहर ने बताया कि मालवी कवि हरीश निगम की स्मृति में आयोजित इस कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि रूप सिंह हाडा ने की। सरस्वती वंदना मालवी कवि डॉ. राजेश रावल सुशील ने की। ताजपुर के कवि प्रकाश कोमल ने बाल विवाह के विरुद्ध अपनी कविता म्हारी काची उम्र के पकाओ हो, काका जी म्हारे फेर परणाव हो पढ़कर खूब दाद बटोरी। कसरावद के निमाड़ी कवि महेश अनगढ़ में नशा मुक्ति पर केंद्रित अपनी कविता पढ़कर तालियां बटोरी। गुना के बुंदेली कवि प्राण प्रहरी ने पेल हतो बौ आज नईये ढूंढत ही रै जाओगे। गैया की जेंगा कुत्ता पलैया पढ़कर श्रोताओं की तालियां बटोरी। निमाड़ी गीतकार दीपक पगारे मोहना ने कई सोच्यो थो ने कई संसार हुयो गियो रे राम, झूठी सच्चइ को यो बाजार हुई गयो रे राम पढ़कर श्रोताओं की खूब दांद बटोरी। इंदौर के मालवी कवि रमेश मंडोरिया ने अपने मालवी गीत पढ़कर सर्द माहौल को खूब गर्मा दिया। राजेश रावल सुशील ने कलयुग की आधुनिक नारी अत्याधुनिक वयगी पढ़कर आधुनिक फैशन पर करारा तंज कसा। बेरछा के हास्यकवि सुभाष कुंवारा ने श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। डॉ. विक्रम विवेक ने उज्जैन को मोहन और अपना मोहन की सरकार है पढ़कर दाद बटोरी। राजस्थान के कवि रूप सिंह हाड़ा ने उठ जा उठ जा रे चेतकडा आयां समर लड़ेंगा रे, समर लड़ेंगा रे हल्दीघाटी जीतेगा पढ़कर कार्यक्रम को खूब ऊंचाइयां प्रदान की। कनसिया के कवि राजेंद्र जैन ने हास्य की खूब फुलझड़ियां छोड़ीं। बड़नगर की कवयित्री सुनीता भाटी ने बाबा महाकाल पर अपनी रचना प्रस्तुत की। कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वगोपाल वाडिया, मनोज नागदेवे, दुर्गा लाल जाटवा, यश गिरी, योगेश जारवाल, शुभम पराते का शाल श्रीफल से समिति द्वारा अभिनंदन किया गया। संचालन डॉ. विक्रम विवेक ने एवं आभार राजेंद्र देवधरे दर्पण ने माना।

बीती रात ट्रैक्टर ने कार को मारी टक्कर, महिला की मौत

उज्जैन। रात 1 बजे कार और ट्रैक्टर के बीच हुई टक्कर में महिला की मौत हो गई और ससुर के साथ कार चालक घायल हो गया। पुलिस ने मामला जांच में लिया है मृतक महिला का पोस्टमार्टम कराया गया।

उन्हेल के ग्राम खाखोरी में रहने वाले बग्गा कछावा की रात में तबीयत बिगड़ गई थी। उसे बहू गीताबाई पति जसु अपने देवर चंदर, जगदीश, डूंगर सिंह और पति के साथ कार में चालक प्रकाश के साथ अस्पताल लेकर आ रही थी। भैरवगढ़ क्षेत्र के साडू माता मंदिर के समीप सामने से आए ट्रैक्टर ने ड्राइवर साइड से कार को टक्कर मार दी। कार ट्रैक्टर में उलझ गई और कुछ दूर तक घसीटती भी चली गई। दुर्घटना में गीता बाई की मौके पर मौत हो गई और बीमार ससुर बग्गा जी के साथ चालक प्रकाश गंभीर रूप से घायल हो गया। कार में सवार गीता बाई का पति और तीन देवर मामूली रूप से घायल हुए। दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर चालक

मौके से भाग निकला लोगों की मदद से घायल और मृतक गीता बाई को अस्पताल लाया गया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद गीताबाई की बॉडी अंतिम संस्कार के लिए सौपी गई। ट्रैक्टर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया गया है जिसकी तलाश की जा रही है।

प्रेम छाया परिसर की दुकानों में बदमाश का धावा

उज्जैन। प्रेम छाया परिसर में लगी दुकानों पर रात 2 बजे बदमाश ने धावा बोला और 60 हजार रुपये चोरी कर लिए। बदमाश सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। पुलिस ने पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। देवास गेट थाना क्षेत्र के चामुंडा माता मंदिर के पीछे प्रेम छाया परिसर के एक हिस्से में कटलरी के समान और वूलन की दुकानों की सेल लगी हुई है। रात में एक बदमाश ने धावा बोला और वूलन दुकान संचालक बाबू और कटलरी दुकान संचालक राजकुमार के यहां से 60 हजार रुपये चोरी कर लिए। बदमाश के दुकानों में घुसने की खबर रात में वहां सोने वाले कर्मचारियों को लग गई उन्होंने पकड़ने का प्रयास किया लेकिन बदमाश भाग निकला। चोरी की सूचना पुलिस को दी गई। वहीं दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखे गए। बदमाश दुकान की छत के रास्ते अंदर आता दिखाई दिया। बताया जा रहा है कि बदमाश माधव कॉलेज के नए गेट से छत पर चढ़ा था और दुकान की चद्दर हटाकर अंदर आया था। दोनों दुकानदारों ने लिखित शिकायत पुलिस को दर्ज कराई है फुटेज के आधार पर बदमाश की पहचान के प्रयास किया जा रहे हैं।

मंदिर की बैठक संपन्न — मंदिर समिति की बैठक, कर्मचारियों के बोनस व पंडे-पुजारियों के मानदेय पर निर्णय

महाकाल का 278 करोड़ का बजट स्वीकृत, टिकट व दान व्यवस्था को प्रभावी बनाएंगे

नवभारत न्यूज

उज्जैन। महाकाल मंदिर प्रबंध समिति की बैठक गुरुवार को कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में त्रिनेत्र कंट्रोल रूम स्थित मीटिंग हॉल में संपन्न हुई। जिसमें वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 278 करोड़ रुपए का वार्षिक बजट पेश किया गया जिसे समिति ने स्वीकृति प्रदान की।

बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। मुख्य रूप से समिति के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते एवं बोनस का भुगतान किए जाने एवं श्रावण मास के दौरान पंडे-पुजारियों के मानदेय को लेकर निर्णय लिए गए। बैठक में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शुरू की गई श्री अन्न प्रसाद योजना एवं श्री महाकालेश्वर बैंड की पहल को लेकर प्रशंसा की गई। बैठक में मंदिर में प्रतिदिन व त्योहारों के समय उमड़ने वाली भीड़ के प्रबंधन को और अधिक सुचारू बनाने हेतु प्रवेश एवं निर्गम मार्गों में आवश्यक सुधार करने पर चर्चा की गई। वहीं ऑनलाइन दर्शन, टिकट एवं दान सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने हेतु डिजिटल प्रणाली के विस्तार पर भी चर्चा हुई। मंदिर द्वारा संचालित अतिथि निवास की नई दरें लागू करने पर निर्णय लिया गया। सोशल मीडिया एवं अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मंदिर की गतिविधियों को प्रभावी प्रसारण पर सहमति बनी। सभी प्रमुख प्रवेश द्वारों पर आवश्यकता अनुसार नए दरवाजे स्थापित किए जाने का निर्णय लिया गया।

10 जनवरी से महाकाल महोत्सव का निर्णय

बैठक में उज्जैन के महापौर मुकेश टटवाल, महानिर्वाणी अखाड़े के महंत विनीत गिरि महाराज, मंदिर समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी अतेंद्र सिंह, उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी, संस्कृत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सीमा शर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि भगवान के दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं को और अधिक व्यवस्थित एवं आधुनिक बनाया जाएगा। साथ ही मंदिर परिसर की व्यवस्था, दर्शन व्यवस्था तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मंदिर समिति ने बैठक में नए साल में 10 से 14 जनवरी 2026 तक महाकाल महोत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, शैव परंपरा से संबंधित प्रस्तुतियां एवं प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इस आयोजन में आम श्रद्धालु भी शामिल हो सकेंगे।